



Hargharpanditji

॥ गुरुवार के व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

॥ ॐ बृं बृहस्पतये नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ गुरुवार के व्रत का ज्योतिषीय कारण ॥

ज्योतिष शास्त्र में गुरुवार का संबंध बृहस्पति ग्रह (गुरु) से माना जाता है। बृहस्पति को ज्ञान, धर्म, विवाह, संतान, धन, सौभाग्य और विस्तार का कारक ग्रह माना जाता है। इसलिए जिन लोगों की कुंडली में बृहस्पति कमजोर या अशुभ प्रभाव में हो, उनके लिए गुरुवार का व्रत और गुरु उपासना को पारंपरिक उपाय माना जाता है।

गुरुवार का व्रत क्यों रखा जाता है?

कमजोर बृहस्पति को मजबूत करने के लिए

कुंडली में गुरु कमजोर होने पर शिक्षा, निर्णय क्षमता, धन, विवाह या पारिवारिक सुख से संबंधित परेशानियां होने की ज्योतिषीय मान्यता है।

विवाह संबंधी बाधाओं के लिए

स्त्री की कुंडली में बृहस्पति को पति और वैवाहिक जीवन से संबंधित महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। इसलिए विवाह में देरी या बाधा होने पर गुरु की उपासना की जाती है।

संतान सुख के लिए

वैदिक ज्योतिष में बृहस्पति को संतान का प्रमुख कारक (पुत्रकारक) माना जाता है। इसलिए संतान संबंधी शुभ फल की कामना से गुरु पूजा की जाती है।

धन और समृद्धि के लिए

बृहस्पति को वृद्धि, ज्ञान और समृद्धि से जोड़ा जाता है। शुभ गुरु आर्थिक उन्नति और अवसरों में वृद्धि का संकेत माना जाता है।

शिक्षा और ज्ञान के लिए
गुरु ज्ञान, उच्च शिक्षा, धर्म, अध्यात्म और विवेक का प्रतिनिधित्व करते हैं। विद्यार्थियों और ज्ञान-वृद्धि की इच्छा रखने वालों के लिए गुरु उपासना शुभ मानी जाती है।

गुरु दोष या प्रतिकूल गुरु के प्रभाव को कम करने के लिए
यदि कुंडली में बृहस्पति नीच राशि में हो, पाप ग्रहों से पीड़ित हो या प्रतिकूल भाव में स्थित हो, तो ज्योतिषीय परंपरा में गुरुवार व्रत, मंत्र-जाप और दान जैसे उपाय सुझाए जाते हैं।

किन चीजों का दान किया जाता है?
गुरुवार को परंपरागत रूप से पीली वस्तुओं का दान किया जाता है, जैसे:

पीली दाल

हल्दी

पीले वस्त्र

केले

गुड़

चने की दाल

साथ ही गुरु, ब्राह्मण, शिक्षक या जरूरतमंद व्यक्ति का सम्मान और सेवा करना भी शुभ माना जाता है।